

MS. ELI AHMED

Ms. Eli Ahmed is a Sahitya Academy Award winner for children literature. Born on 14th March, 1935, she started her writing career in 1944. She is versatile in many fields. She lost her parents at a tender age and had to bring up her three young brothers. This struggle taught her many things about man and society which enlighten her talent in literature, art, culture, education and in social services. She is still active with full vigour.

2. Ms. Eli Ahmed has 70 Children books to her credit. She wrote another 10 rhyme books, 10 musical dramas, 10 road plays, 13 dramas. 11 dance dramas, 15 television dramas, 30 radio dramas and has also performed 10 stage dramas for children.

3. Ms. Eli Ahmed was awarded the National Literacy Prize on Adult Education for her book TORAFUL in 1976. It has been translated into other regional languages published by Soluza Prakashan Delhi. Her 39 books and 40 dramas have been published till 2015. She has been writing regularly in 15 newspapers and magazines.Some of her collections were published by Publication Board, Assam, Sishu Nyas, Asom Sahitya Sabha, Information & Broadcasting Ministry, Govt. of India.

4. Ms. Eli Ahmed has also been contributing to cinema as a lyricist. She is the producer, director, story and script writer for commissioned programme DDK, Guwahati / PPC (NE). She also worked as Chief Asstt. Director of films and first lady Art Director. Eli Ahmed has also worked as an independent TV Producer. Her career in Radio began in 1966 and she has been associated with Doordarshan since 1984. She is an approved Producer and Director of Guwahati Doordarshan and Doordarshan Kendra, New Delhi. She became an approved lyricist of All India Radio, Guwahati.

5. Ms. Eli Ahmed was associated with Assamese film industry from the year1966. The year 1967, saw her involvement in two major socio-cultural projects including RONGCHORA. She organized Rongchora cultural group and performed programmes. She is trying to develop social and cultural bent of mind of women and children through her project Rongchora. She is the Cultural Secretary, Senior Citizen Association.She visits rural areas of Assam to bring awareness among women on problems like dainee killing, dowry problem, kidnapping, prostitution, drug addiction etc.

6. Ms Eli Ahmed is the editor, publisher and proprietor of ORANI, the only women magazine in the north-east since 1970 which publishes lifestyle and history of different classes of women. The motto of the magazine is 'by the women, of the women, for the women'. She created a number of women writers from this platform from different categories of profession, namely singer, actress, physician, engineer, administrative officer, advocate, employed housewife, journalist, dancer etc.

7. A recipient of Literary Award of Govt. of Assam in 1994 and also receiving literary pension from Assam Government. She has received Amal Prabha Das Award 2015 from Govt. of Assam, Asom Keshari Ambikagiri Award 2009-2010 from Asom Sahitya Sabha, Binapani Sarma Sowarani Award 2009, Suchibrata Raichoudhury Sanghati Award 2013 and Saraswatt Dr. Nirmal Pravabordoloi Sahitya Award 2011 from Sadou Asom Lekhika Samaroh, Bishnu Rabha Award 2008 from Asom Sahitya Sabha (Samata Branch). Ms. Eli Ahmed has been awarded BAL SAHITYAPURASKAR for 2015 for her total contribution to children literature in Assamese by Sahitya Academy.



सुश्री एलि आहमेद

सुश्री एलि आहमेद बाल साहित्य के लिए साहित्य अकादमी अवार्ड की विजेता हैं। आपका जन्म 14 मार्च, 1935 में हुआ और आपने वर्ष 1944 में अपना लेखन कार्य प्रारंभ कर दिया था। आप अनेकों क्षेत्रों में लिखने वाली एक विविधतापूर्ण लेखिका हैं। आपकी किशोरावस्था के दौरान ही आपके माता-पिता का देहान्त हो गया था, इसलिए आपको अपने तीन छोटे भाइयों का पालन-पोषण का दायित्व भी उठाना पड़ा। जीवन के इस संघर्ष से आपने मानव जीवन और समाज के बारे में बहुत कुछ सीखा। आप अभी भी पूर्ण बहादुरी के साथ सक्रिय हैं।

2. आपको 70 बाल पुस्तकों को लिखने का श्रेय प्राप्त है। आपने 10 तुकबंदी की पुस्तकें (राइम बुक्स), 10 संगीतपूर्ण नाटक, 10 रोड-प्ले, 13 नाटक, 15 टेलीविजन नाटक, 30 रेडियो नाटक भी लिखे हैं और बच्चों के लिए 10 रंगमंच नाटकों में भी कार्य किया है।

3. आपको वर्ष 1976 में प्रौढ़ शिक्षा विषय पर आपकी पुस्तक 'तोराफुल' के लिए राष्ट्रीय साक्षरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया । आपकी इस पुस्तक को सलूजा प्रकाशन दिल्ली द्वारा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में भी प्रकाशित किया गया है। वर्ष 2015 तक आपकी 39 पुस्तकें और 40 नाटक प्रकाशित किए जा चुके हैं। आप 15 समाचार-पत्रों और मैगजीनों में नियमित तौर पर लेखन कार्य कर रहीं हैं। आपके कुछेक संग्रहों को प्रकाशन बोर्ड, असम, शिशु न्यास, असम साहित्य सभा, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भी प्रकाशित किया गया है।

4. आप सिनेमा जगत में एक संगीतकार के रूप में भी अपना योगदान देती रही है। आपने डी.डी.के., गुवाहाटी/पी पी सी (एन ई) के कमीशन्ड प्रोग्राम के लिए एक प्रस्तुतिकर्त्ता, निर्देशक, कहानी और कथा लिखने की भी भूमिका निभायी है। आपने फिल्मों में मुख्य सहायक निर्देशक और पहली महिला निदेशक के तौर पर भी कार्य किया। आपने एक टीवी प्रोड्यूसर के रूप में भी कार्य किया है। रेडियो में आपका कैरियर 1966 में प्रारम्भ हुआ और आप 1984 से दूरदर्शन से भी जुड़ गईं। आप गुवाहाटी दूरदर्शन और दूरदर्शन केन्द्र, नई दिल्ली की एक जानी-मानी प्रस्तुतिकर्ता और निर्देशक हैं । आप आल इंडिया रेडियो, गुवाहाटी की एक पसंददीदा गीतकार भी बनीं।

5. आप वर्ष 1966 से असमी फिल्म उद्योग के साथ जुड़ीं। वर्ष 1967 में आप रोंगचोरा सहित दो प्रमुख सामाजिक सांस्कृतिक परियोजनाओं में सक्रियता से जुड़ गईं। आपने रोंगचोरा सांस्कृतिक ग्रुप का आयोजन किया और कार्यक्रमों में कार्य भी किया। आप अपनी रोंगचोरा परियोजना के माध्यम से महिलाओं और बच्चों में सामाजिक एवं सांस्कृतिक रूचि विकसित करने का प्रयास कर रही हैं। आप सीनियर सिटीजन एसोसिएशन की सांस्कृतिक सचिव हैं। आप 'डायन हत्या', 'दहेज समस्या', अपहरण, वेश्यावृत्ति नशे की लत आदि जैसी समस्याओं पर महिलाओं के बीच जागरूकता लाने के लिए असम के ग्रामीण इलाकों का दौरा करती हैं।

6. आप वर्ष 1970 में पूर्वोत्तर की एकमात्र महिला मैगजीन "ओरानी" की संपादक, प्रकाशन और प्रोप्राइटर हैं जिसमें महिलाओं के अलग-अलग वर्गों की जीवनशैली और उनके इतिहास का प्रकाशन किया जाता है। इस मैगजीन का आदर्श वाक्य (मोटो), "महिलाओं द्वारा, महिलाओं का, महिलाओं के लिए है।" आपने अपने इस मंच से गायक, नायिका, चिकित्सक, इंजीनियर, प्रशासनिक अधिकारी, अधिवक्ता, कामकाजी महिलाओं, पत्रकार, नर्तक आदि जैसे अलग-अलग श्रेणी के पेशों से महिला लेखकों को तैयार किया है।

7. आपको वर्ष 1994 में असम सरकार का 'साहित्य अवार्ड' प्रदान किया गया और आप असम सरकार से साहित्यिक पेंशन प्राप्त कर रही हैं। आपको असम सरकार से अमल प्रभा दास अवार्ड – 2005, असम साहित्य सभा से असम केसरी अम्बिकागिरी अवार्ड 2009-2010 से भी सम्मानित किया गया है। आपको सदाऊ असम लेखिका समारोह की ओर से वीणापाणि सरमा सावरानी अवार्ड 2009, शुचिवृत राय चौधरी संगीत अवार्ड 2013 और सारस्वत डॉ. निर्मल प्रभावोरदोलोई साहित्य अवार्ड 2011 और असम साहित्य सभा (समता ब्रांच) से विष्णु राभा अवार्ड 2008 से नवाजा गया है। आपको साहित्य अकादमी द्वारा असमी साहित्य में बाल साहित्य के प्रति अपना महती योगदान देने के लिए वर्ष 2015 के लिए बाल साहित्य पुरस्कार से विभूषित किया गया है।